Roll No. ....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 4

(1048)

UG (CBCS) RUSA IInd Semester (Old) Examination

656

SANSKRIT

(Natak Tatha Vyakaran)

(Major/Minor)

Paper : BASKT-0203

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : 70

भाग—क

1. (क) निम्नांकितानां प्रश्नानामुत्तरमेकपदेन लिखत—

   (i) भासस्य कति नाटकानि ?

   (ii) रूपकस्य कति भेदाः ?

   (iii) 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटके कति अंकाः सन्ति ?

   (iv) उदयनः कस्य देशस्य राजा आसीत् ?

   (v) वासवदत्तायाः मातुः नाम किमासीत् ?

   (vi) कस्य रक्षणं दुःखं भवति ?

   (vii) वासव दत्ता कस्मिन् ग्रामे दग्धा ?

(viii) 'प्रेजते' इत्यत्र सन्धिच्छेदं कुरुत।

(ix) '29' इत्यस्य कृते क्रमवाचकं शब्दं लिखत।

(x) 'यण्' सन्धि विधायकं सूत्रं लिखत। 1×10=10

(ख) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–

(i) 'अनिर्ज्ञातानि दैवतान्यवधूयन्ते'–सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

(ii) 45-50 तक संस्कृत में क्रमवाचक संख्या शब्द लिखिए।

(iii) निम्नांकित पदों में सन्धि-विच्छेद कीजिए–
मुनीइमौ, लतेइमे, यद्यपि, न्यूनतम्।

(iv) 'एङि पररूपम्'–सूत्र की व्याख्या कीजिए।

(v) धरोहर की रक्षा के सम्बन्ध में कांचुकीय ने क्या कहा ? 5×4=20

भाग–ख

2. किसी **एक** भाग का उत्तर लिखिए–

(i) पद्मावती का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) नाटक में नान्दी के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

(i) 'भरतवाक्यम्' पर टिप्पणी लिखिए।

(ii) विदूषक का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5+5=10

भाग—ग

3. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(i) 'चक्रार पंक्ति रिव गच्छति भाग्य पंक्तिः'—सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

(ii) पर रूप सन्धि की विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए।

अथवा

(i) यौगन्धरायण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'दुःखंत्यक्तुं बद्धमूलोऽनुरागः'—सूक्ति की व्याख्या कीजिए। 5+5=10

भाग—घ

4. निम्नांकित पद्यों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

(i) इयं बाला नवो द्वाहा सत्यंश्रुत्वाव्यथांव्रजेत्।
कामं धीर स्वभावेयं स्त्री स्वभावस्तु कातरः॥

(ii) खगाःवासोपेताः सलिलमवगाढोमुनिजनः
प्रदीप्तोऽग्निर्भाति प्रविचरति धूमोमुनिवनम्।
परिभ्रष्टो दूरात् रविरपि च संक्षिप्तकिरणो
रथं व्यावर्त्याऽसौ प्रविशति शनै रस्तशिखरम्॥

(iii) अनाहारे तुल्यः सतत रुदितक्षाम वदनः
शरीरे संस्कारं नृपति सम दुःखं परिवहन्।
दिवा वा रात्रौ वा परिचरति यत्नैर्नरपतिं
नृपः प्राणान् सद्य स्त्यजति यदि तस्याप्युपरमः॥ 5+5=10

भाग—ङ

5. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए—

(i) उदयन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक का सार लिखिए। $1\times10=10$